त्मा:- जो संत्या दी गई है उसके हर का अभाज्य गुणनस्वं बरें उसके बाद यदि अभाज्य गुणनस्वं व में 2 और 5 हे अलावा कोई दुसरी संस्था अत्राज्य गुणनखंतु में ग्रामिल ही तो असांत होगा नहीं तो सांत होगा । 2 और 5 एक से अधिक बार भी अग सम्माही

Ex-1-4

1) बिना अंबी विभाजन अफ्रिया हिए बताइए कि निम्नित्पित परिमेय संत्यों के प्रामल जुलार सांत है या अलांत आवती ही

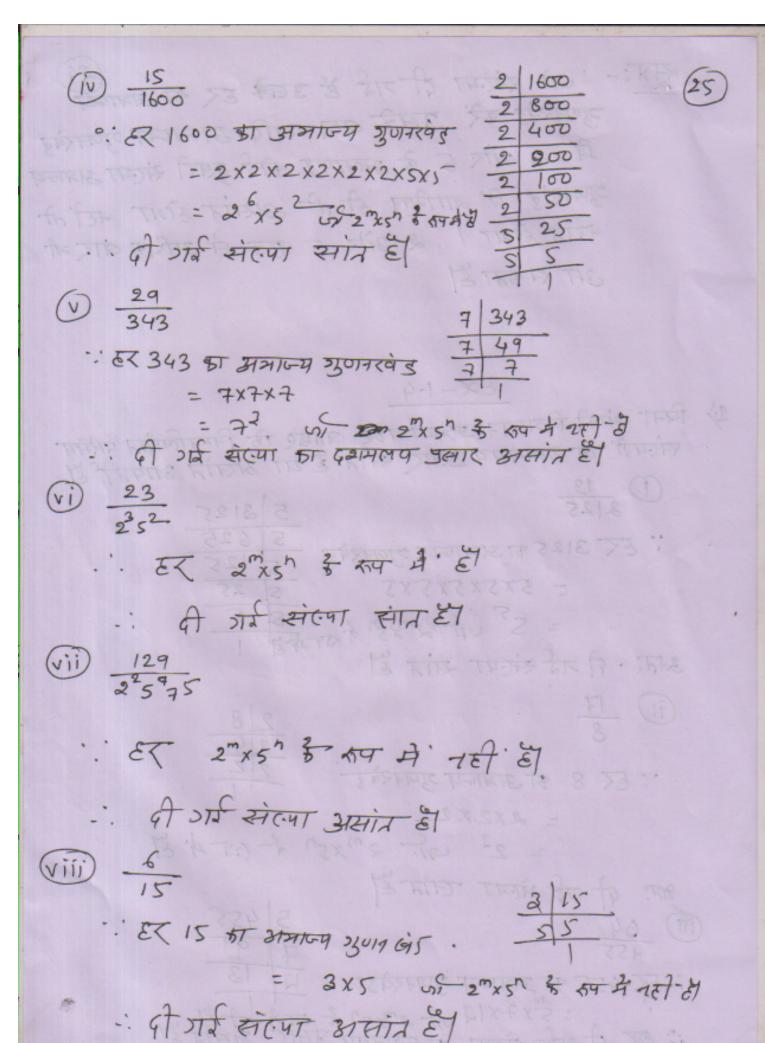
1) _13	1	
2125	5	3125
ं हर 3125 का अभाज्य गुणन्त्यें .	5	625
2 3 2 3 4 3 4 3 3 6 4 5 4 5	5	125
= 2x2x2x2x2	5	25
= 55 col 2mx57 & 193	S	5
3 311 2 85 \$ 519 3	15	1
अति । ही गई सरपा या इ		

: हर ८ का अत्राज्य गुणनरवंड

- 2x2x2 = 23 5/ 2 x57 + 65 \$ ET

भतः वी गर्ड संस्पा 'लांत ही ं हर 455 का अत्राज्य गुणनरवंड

: क्य मे गई संत्या का प्यामलय प्रसाद असात है।



1x). 35

ं हर 50 का अभाज्य गुणमरवंड 5 25 5 5 = 2×5×5

= 2x52 5/ 2mx5h & 59 8

ं दी गई सेला सांत ही

(x) = 77 =

्ट्र 210 का अमाज्य गुणमत्वेड <u>ड</u> 35 रे रे = 2 x3 x5 x7

65 2 x5h & 19 4 18 8 ं, दी जार्र संस्था । असांत्र ही

3.) 1 43.123456789

माना कि a = 43.123456789 अहीं a का दरामलन विस्तार् सांत है,

अरः व परिमेय संत्या ही गा।

0.120120012000120000---

· win a #1171 Po a = 0.120120012000120000

ं व का दशमलप प्रसार न ती सांत ह न ही आन्ती

अतः व एक परिमेय संत्या नहीं ही

(1) 43.123456789

भामा कि a = 43.123456789

ं व का दशमलव विस्तार आवती है।

ं व एक परिमेष संत्या है

M